हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, शनिवार, 2 अगस्त 2025

तापमान
अधिकतम 31.0 डिग्री
न्यूनतम 20 .5 डिग्री

13 दवाई खरीदते समय एक्सपायरी डेट चैक करके पक्का बिल अवश्य लें किसान

14 दो दिन में औसम 100 एमएम बारिश, किसानों के लिए वरदान, शहर के लिए बनी आफत

खबर संक्षेप

दहेज उत्पीड़न मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज उत्पीड़न के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। विवाहिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच सुलहनामा कराने के प्रयास किए थे। कई बार काउंसलिंग कराने के बाद भी बातचीत सिरे नहीं चढ़ी तो पुलिस ने 21 जुलाई को ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। पुलिस ने नौसरा निवासी सतेंद्र सिंह को गिरफ्तार कर लिया। बाद में उसे पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

मारपीट मामले में मां बेटी गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना रामपुरा पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मां-बेटी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत पर गत 15 जुलाई को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पीड़ित ने दूसरे पक्ष के लोगों पर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए थे। इस मामले में पुलिस ने बबीता और शीतल को गिरफ्तार कर लिया। तफ्तीश में शामिल करने के बाद दोनों को रिहा कर दिया गया।

टूटी सड़क से हादसों की आशंका

रेवाड़ी। चांदूवास गांव के पास टूटी सड़क से हादसों की आशंका बनी हुई है। मोहनुपर व आसपास के गांवों के लोगों ने बताया कि इन गांवों के लिंक रोड़ टूटकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। बारिश होते ही सड़कों के गड्ढों में पानी भर जाता है, जिससे हादसों का डर बना रहता है। दुपहिया वाहन चालक गड्ढों में एकत्रित पानी के कारण गिरकर हादसों का शिकार हो रहे हैं। इनमें कई सड़कें मार्केटिंग बोर्ड की हैं, जिनकी हालत बदहाल बन चुकी है। ग्रामीणों ने इन सड़कों की तुरंत मरम्मत कराने की मांग की है।

मारपीट मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

धारूहेड़ा। पुलिस ने रास्ता रोककर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पीड़ित के बयान पर पुलिस ने गत 26 जून को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। मामले की जांच करते हुए पुलिस ने गुरूग्राम के सिधरावली निवासी पवन, आकेड़ा निवासी केसरी और संजय को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त बाइक भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले ली। तीनों को पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

बिजली गुल रहने से लोग परेशान

बावल। क्षेत्र के गांवों में बिजली के अघोषित कटों ने लोगों को परेशान किया हुआ है। कालड़वास निवासी सुरेंद्र, अजीत, विनोद, विक्रम व सुनील आदि ने बताया कि रात के समय गांव में बिजली गुल हो जाती है। इसके बाद घंटों बिजली नहीं आती। गर्मी के मौसम में ग्रामीणों को बिजली के बना भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने निगम अधिकारियों से समस्या के समाधान की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि निगम के अधिकारी लोगों के फोन तक नहीं उठाते।

शहीद ओमप्रकाश यादव की प्रतिमा का अनावरण कल

रेवाड़ी। जिले के गांव धारण की ढाणी में 3 अगस्त को बीएसएफ के जवान शहीद ओमप्रकाश यादव की प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा। मुख्य अतिथि भाजपा केंदीय संसदीय बोर्ड समिति की सदस्य डा. सुधा यादव व खेल मंत्री गौरव गौतम रहेंगे तथा पूर्व कैबिनेट मंत्री डा. बनवारी लाल कार्यक्रम की करेंगे तथा जिलाध्यक्ष वंदना पोपली विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत करेंगी। धारण के सरपंच राजेश कुमार ने बताया कि कार्यक्रम सांस्कृतिक संगीत के लिए अमित चौधरी पार्टी को आमंत्रित किया गया है।

एडीसी राहुल मोदी के नेतृत्व में जिले में पांच साइट्स पर हुई मॉक ड्रिल

प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए पहली बार बड़े स्तर पर पूर्वाभ्यास, भूकंप व केमिकल रिसाव से होने पर किया रेस्क्यू

- एनडीआरफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी, पुलिस व वॉलेंटियर टीमों ने किया कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। मॉकड्रिल के दौरान बच्चों को बाहर निकालती टीम, मॉकड्रिल के दौरान मौजूद टीम व विद्यार्थी, घायल युवक को ले जाते हुए बचाव टीम। फोटो :हरिभूमि

रेवाड़ी। अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते एडीसी मोदी, टीम को आपदा से निपटने की जानकारी देते एसडीएम,भूकंप से घायल बच्चों का ले जाते हुए टीम। फोटो :हरिभूमि

केंद्रीय आपदा प्रबंधन विभाग के दिशा-निर्देशन में शुक्रवार को रेवाड़ी में पांच साइट्स पर अचानक आए भूकंप की परिस्थितियों पर काबू पाने के लिए उच्च स्तर पर सुरक्षा चक्र मॉक ड्रिल की गई। डीसी अभिषेक मीणा के मार्गदर्शन व एडीसी राहुल मोदी के नेतृत्व में एसडीएम मनोज कुमार, एसडीएम विजय कुमार यादव व जिला नगर आयुक्त ब्रह्मप्रकाश की टीम ने आपदा स्थल पर पहुंच कर राहत एवं बचाव कार्य किया। मॉकड्रिल के दौरान काल्पनिक रूप से तीन व्यक्तियों की मौत हो गई तथा 39 घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल हुए व्यक्तियों को सिविल हॉस्पिटल व पीएचसी बावल में दाखिल कराया गया। भूकंप के दौरान 1200 नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया, जिनमें 163 स्कूली बच्चे भी शामिल थे। रेवाड़ी में प्राकृतिक आपदा को लेकर पहली बार बड़े स्तर पर पूर्वाभ्यास किया गया। लघु सचिवालय के पीछे हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के मैदान में स्टेजिंग एरिया बनाया गया था। सुबह साढ़े आठ बजे सभी अधिकारी तथा सरकारी वाहन, एबुंलेंस, फायर ब्रिगेड व रोडवेज बसें पहुंच गई थी। सुबह 9.05 बजे एडीसी मोदी को सूचना मिली कि भूकंप के कारण अमनगिनी सोसायटी में ज्यादा नुकसान हुआ है। इसके अलावा आरपीएस स्कूल, डीईटीसी ऑफिस व पुष्पाजंलि हॉस्पिटल की बिल्डिंग को नुकसान पहुंचा है। बावल की कन्साई नेरोलेक कंपनी में भूकंप के कारण केमिकल रिसाव हो गया है। एडीसी ने तुरंत बचाव दल को प्रभावित साइट के लिए रवाना किया। इंसीडेंट कमांडर एसडीएम मनोज कुमार व डीएसपी जोगेंद्र शर्मा अपनी टीम के साथ बावल पहुंचे और उन्होंने तुरंत बचाव के लिए कार्य शुरू किया। यहां केमिकल की वजह से आग लग गई थी। फायर बिग्रेड की टीम ने पानी का छिड़काव कर आग पर काबू पाया। इस घटना में चार श्रमिक गंभीर रूप से घायल हुए व दस को मामूली चोटें आईं। मेडिकल टीम ने चार श्रमिकों को एंबुलेंस से पीएचसी में पहुंचाया गया। फैक्ट्री में रसायन रिसाव की स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा के पर्याप्त उपाय कंपनी की ओर से किए गए। अमनगिनी सोसायटी व आरपीएस स्कूल के इंसीडेंट कमांडर डीएमसी ब्रह्मप्रकाश ने बताया कि अमनगिनी के टॉवर नंबर 6 में कुछ व्यक्ति फंसे हुए थे। यहां एनडीआरएफ के सैकेंड कमांडर मनोज कुमार व इंस्पेक्टर नीरज कुमार ने अपनी टीम के साथ आपात द्वार को काट कर अंदर जाने का रास्ता बनवाया और चार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला, इनमें दो व्यक्तियों को एंबुलेंस से सिविल हॉस्पिटल पहुंचाया गया तथा दो का मौके पर ही मौजूद मेडिकल टीम ने उपचार किया गया। आरपीएस स्कूल में की गई मॉक ड्रिल के दौरान तीन बच्चों व एक अध्यापिका को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। इंसीडेंट कमांडर व कोसली के एसडीएम विजय कुमार यादव ने बताया कि पुष्पाजंलि हॉस्पिटल में भूकंप के कारण दो व्यक्तियों की मौत हो गई तथा तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। सात अन्य को मामूली चोटें आईं, जिनको वहीं पर फस्ट एड दी गई। यहां 175 में से 163 व्यक्तियों को सुरक्षित बचा लिया गया। उन्होंने बताया कि डीईटीसी ऑफिस में कुल 88 व्यक्ति थे, जिनमें से 80 को बचा लिया गया। यहां एक व्यक्ति मृत पाया गया और सात घायल हो गए।

लघु सचिवालय सभागार में एडीसी राहुल मोदी ने सभी टीम कमांडर के साथ मॉक ड्रिल सुरक्षा चक्र की समीक्षा की। केंद्रीय व राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों ने वीसी के जरिए इसकी रिपोर्ट ली। प्रशासन की ओर से पूर्व सेना अधिकारियों को पांचों साइट पर ऑब्जर्वर नियुक्त किया गया था। उन्होंने भी टीम की वर्किंग के बारे में अपनी रिपोर्ट एवं सुझाव दिए। मॉकड्रिल में एनडीआरएफ के साथ सीआईएसएफ, आईटीबीपी, हरियाणा पुलिस, रेडक्रॉस व आपदा मित्र वॉलेंटियर ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर नगराधीश जितेंद्र कुमार, जिला राजस्व अधिकारी प्रदीप देशवाल, डीएसपी डा. रविंद्र सिंह, डीएसपी ट्रैफिक पवन कुमार, डीएसपी जोगेंद्र शर्मा, डीएसपी विद्यानंद, डीएसपी सतेंद्र श्योराण, रोडवेज जीएम प्रदीप कुमार, फायर ऑफिसर नीतिश भारद्वाज व डीपीओ मीनाक्षी मौजूद थे।

पेंशन बहाली संघर्ष समिति का एनपीएस और यूपीएस के विरोध में रोष प्रदर्शन

- जिले के सभी कर्मचारियों व अधिकारियो ने मनाया काला दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। मांगों को लेकर प्रदर्शन करते हुए पुरानी पेंशन बहाली संघर्ष समिति के सदस्य। फोटो :हरिभूमि

शुक्रवार को जिले में पेंशन बहाली संघर्ष समिति के आह्वान पर एनपीएस और यूपीएस के विरोध में रोष प्रदर्शन किया गया। रोष प्रदर्शन का प्रतिनिधित्व जिला रेवाड़ी व महेंद्रगढ़ के प्रभारी डा. अरविन्द यादव ने किया। उन्होंने बताया कि राज्य प्रधान विजेंद्र धारीवाल के आह्वान पर पीबीएसएस/एनएमओपीएस के बैनर तले प्रदेश के सभी सरकारी कर्मचारियों व अधिकारियों काली पट्टी लगाकर व काली ड्रेस पहनकर एनपीएस व यूपीएस का विरोध किया। इस मौके पर समिति की ओर से डीसी के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भी सौंपा गया। डा. यादव ने कहा कि सरकार ने एनसीएस व यूपीएस में से एक को चुनने का ऑप्शन दिया है, लेकिन हरियाणा के कर्मचारी सिर्फ पुरानी पेंशन स्कीम चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अगर सरकार मनमानी करती है तो पेंशन बहाली संघर्ष समिति को बड़े आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा देना सरकार का कर्तव्य है। इस अवसर में पीबीएसएस के जिला प्रधान राजवीर यादव ने एनपीएस व यूपीएस के अंतर को बताते हुए कहा कि सरकार यूपीएस के जाल में कर्मचारियों को उलझाना चाहती है, जबकी पेंशन बहाली संघर्ष समिति की पहले दिन से पुरानी पेंशन बहाली की मांग कर रही है। पीबीएसएस के जिला महासचिव व हसला के जिला प्रधान मनोज मसानी ने कहा कि सरकार नेताओं पर यूपीएस क्यों नहीं लागू करती। अगर नेता ओपीएस ले रहे है तो कर्मचारियों को भी पुरानी पेंशन ही दी जाए। इस मौके पर डिप्लोमा इंजीनियरिंग के जिला प्रधान राजेंद्र कुमार, पंचायती राज इंजीनरिंग के राज्य प्रधान महेंद्र सिंह यादव, उपप्रधान रविन्द्र प्रकाश, संजय डाबला,सीमा यादव महिला प्रधान, ब्लॉक प्रधान राजबीर यादव, मनबीर,राजेंद्र रावत, संजय कुमार, विजय योगी, पवन यादव प्रधान, धर्मेंद्र जिला प्रधान आरपीएसएस, सुनील कुमार, मनीष, विजय, रामनिवास बेनीवाल, कमल, समुंदर चौहान, लोकेश यादव, विजय सिंह, नरेंद्र यादव व हिमालय यादव सहित अनेक कर्मचारी व अधिकारी मौजूद थे।

मुंशी को कोर्ट में जाने से रोकने का फैसला गलत, हाईकोर्ट में दायर याचिका पर सुनवाई

- पुलिस की ओर से मुंशी के खिलाफ कोई अनहोनी होने की स्थिति में कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। जिला कोर्ट परिसर।

बार एसोसिएशन की ओर से एक वकील के मुंशी को कोर्ट परिसर में घुसने पर लगाई पाबंदी पर दायर याचिका में हाईकोर्ट ने मुंशी के पक्ष में फैसला लेते हुए एसपी को मामले की जांच व उचित कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

पुलिस की ओर से मुंशी के खिलाफ कोई अनहोनी होने की स्थिति में कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई है। जिला बार एसोसिएशन की 25 जुलाई को हुई हाउस की मीटिंग में वरिष्ठ अधिवक्ता बाबूलाल खोला के वकील सुनील यादव के एक क्लेम केस में रुकावट डालने के आरोप में उन्हें कोर्ट परिसर में घुसने से पाबंदी का प्रस्ताव पास किया गया था। मीटिंग में मुंशी का साथ देने के आरोप में उनके वकील बाबूलाल व पूर्व बार प्रधान सहित चार वकीलों को डी-बार करने के नोटिस भी जारी किए थे।

हाईकोर्ट में दायर की थी याचिका

वकील के मुंशी सुनील कुमार की ओर से 28 जुलाई को हाईकोर्ट में याचिका दायर करते हुए बार के निर्णय को चुनौती दी थी। इस पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने एसपी रेवाड़ी को मुंशी सुनील यादव की याचिका के सभी पहलुओं की गहनता से जांच करने तथा याचिका में लगाए गए आरोप सही पाए जाने पर उचित कार्रवाई करने के आदेश दिए। मॉडल टाउन थाना प्रभारी सीमा ने कोर्ट परिसर जाकर संबंधित लोगों को निर्देश दिए कि मुंशी सुनील यादव को कोर्ट परिसर में आने से रोका नहीं जाए। अगर ऐसा होता है, तो संबंधित लोगों के खिलाफ एक्शन लिया जाएगा।

अधिकारियों ने रेवाड़ी की ऐतिहासिक इमारतों पर भविष्य में होने वाले कार्यों की चर्चा की

पुरातत्व विभाग टीम ने ऐतिहासिक धरोहरों का किया निरीक्षण

- अहीरवाल हेरिटेज की टीम ने उप निदेशक बनानी भट्टाचार्य को भगवत गीता भेंट कर और पट्टा पहनाकर स्वागत किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। बड़ा तालाब पर निरीक्षण के दौरान राज्य पुरातत्व एवं संग्रहालय निदेशालय की टीम। फोटो :हरिभूमि

हरियाणा राज्य पुरातत्व एवं संग्रहालय निदेशालय चंडीगढ़ से अधिकारियों की टीम ने रेवाड़ी में ऐतिहासिक इमारतों का निरीक्षण किया। रेवाड़ी में चार ऐतिहासिक इमारतों को हरियाणा राज्य पुरातत्व एक संग्रहालय ने अहीरवाल हेरिटेज की मदद से चिन्हित किया है, जिसमें सोलहराही सरोवर, तेज सरोवर यानि बड़ा तालाब, रानी की ड्योढ़ी व रेजांगला मेमोरियल के सामने ऐतिहासिक छतरियों का समूह है। दिल्ली रोड पर स्थित छतरियों को अहीरवाल विरासत फांउडेशन संस्था ने हरियाणा पुरातत्व विभाग की मदद से ऐतिहासिक इमारतों में शामिल कराया है। इन छतरियों को जीवंत रखने में इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय एनएसएस इकाई व एक कदम मानवता की ओर संस्था से प्रियंका यादव के संयुक्त प्रयासों से साफ-सफाई की गई। नशा करने वालों का अड्डा बनी इन छतरियों को पुलिस की मदद से नशामुक्त भी कराया गया। अधिकारियों ने संस्था सदस्यों व शहर के नागरिकों से रेवाड़ी की ऐतिहासिक इमारतों पर भविष्य में होने वाले कार्यों की चर्चा की। इस मौके पर अहीरवाल विरासत फाउंडेशन की ओर से विभाग के अधिकारियों से नंद सरोवर की छतरियों और मीरपुर में स्थित राव तेज सिंह की हवेली को भी राज्य संरक्षित करने के लिए आग्रह किया गया। इस मौके पर अहीरवाल हेरिटेज की टीम ने उप निदेशक बनानी भट्टाचार्य को भगवत गीता भेंट कर और पट्टा पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर इंद्रजीत सिंह पुरातत्व इंजीनियर, विनीत भनवाला हरियाणा पुरातत्व विभाग), वैभव आर्केटेक्ट, अहीरवाल विरासत फाउंडेशन से प्रियंका यादव, अमन कुमार, मुकेश सुलतानिया, संदीप भोजावास व लोकेश करीरा मौजूद थे।

वाल्मीकि आश्रम में डीएससी समाज की बैठक कल

रेवाड़ी। डीएससी समाज की मीटिंग 3 अगस्त को सुबह 10 बजे वाल्मीकि आश्रम कालाका रोड पर आयोजित की जाएगी। डीएससी प्रधान विजय इंदौरा ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एससी आरक्षण में वर्गीकरण करके डीएससी वर्ग को नौकरियों में अलग से 10 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की है, लेकिन ओएससी समाज के लोग गलत तरीके से मेघवाल जाति का जाति प्रमाण पत्र बनवाकर डीएससी समाज को उनके हक से वंचित करने की कोशिश कर रहे है। डीएससी समाज अपनी भविष्य की रणनीति के लिए मीटिंग कर रहा है तथा मीटिंग में ब्लॉक रेवाड़ी व बावल की डीएससी कमेटी का गठन भी किया जाएगा।

एक स्वस्थ घोड़ा 44 किमी प्रति घंटे की चाल से दौड़ सकता है।

बिल्लियों के हर कान में 32 मांसपेशियां पाई जाती हैं।

इवेंट मैनेजमेंट का कोर्स कर बनाएं अच्छा करियर

नालेज

यंगभूमि डेस्क

इवेंट मैनेजमेंट कोर्स करना व इवेंट मैनेजमेंट के पोस्ट पर चयनित होना हर विद्यार्थी के लिए खुशी का पल माना जाता है। हर विद्यार्थी का करियर में सफल होने का सपना होता है। हर विद्यार्थी जाता है। कि वह आगे बढ़कर एक सफल करियर में प्रवेश करें। विद्यार्थी अपने करियर को सफल बनाने के लिए कई प्रकार की डिग्री व डिप्लोमा का सहारा लेता है। 12वीं कक्षा पास करने के बाद अलग-अलग प्रकार के डिग्री व डिप्लोमा विद्यार्थी के सामने उपलब्ध होते हैं। डिग्री और डिप्लोमा बहुत सारे होते हैं। जिसमें इवेंट मैनेजमेंट कोर्स भी शामिल है। आज के आर्टिकल में हम इस कोर्स की जानकारी देंगे।

इवेंट मैनेजमेंट कोर्स क्या है

किसी भी शादी व पार्टी के लिए इवेंट को मैनेजमेंट करने वाला व्यक्ति इवेंट मैनेजर कहलाता है। इवेंट मैनेजमेंट करने से पहले विद्यार्थी के पास इवेंट मैनेजमेंट कोर्स का सर्टिफिकेट होना अनिवार्य है। इवेंट मैनेजमेंट कोर्स एक प्रकार का डिप्लोमा कोर्स है। जिसे विद्यार्थी 12वीं कक्षा पास करने के पश्चात हासिल कर सकता है। सनातन की डिग्री के साथ साथ भी विद्यार्थी इवेंट मैनेजमेंट कोर्स को कर सकता है और अपने कैरियर को बना सकता है। आज के समय में सबसे लोकप्रिय डिप्लोमा में इवेंट मैनेजमेंट कोर्स भी शामिल है। हर विद्यार्थी इस कोर्स में अधिक रुचि रखता है। इवेंट मैनेजमेंट डिप्लोमा कोर्स 2 वर्षीय डिप्लोमा कोर्स है। जिसको पूरा करने के पश्चात विद्यार्थी को इवेंट मैनेजमेंट का सर्टिफिकेट मिल जाता है।

ऐसे बना सकते हैं करियर

इवेंट मैनेजमेंट डिप्लोमा करने के बाद विद्यार्थी अपना करियर आसानी से बना सकता है। अगर विद्यार्थी को समारोह या किसी भी फंक्शन की प्लानिंग करने में बेहतरीन रुचि है। तो विद्यार्थी को यह डिप्लोमा करके अपने करियर को यहीं पर सफल बना देना है। किसी भी कार्यक्रम का आयोजन होने से पहले कार्यक्रम के आयोजन कर्ता इवेंट मैनेजर से मिलते हैं और इवेंट के बारे में पूरी प्लानिंग करते हैं। ऐसे में यदि आप भी इवेंट मैनेजर बन जाते हैं। तो आप भी अपना कैरियर इस क्षेत्र में सफल कर सकता है। यदि आप भी इवेंट मैनेजर बनने का सपना देख रहे हैं तो आप इवेंट मैनेजमेंट की डिग्री व डिप्लोमा को सबसे पहले कंप्लीट करना होगा। और उसके पश्चात ही आपको इस क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। हालांकि यहां डिग्री व डिप्लोमा के साथ-साथ आपके माइंड की स्किल बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका रखते हैं।

इन चरणों को फॉलो करना होगा

- सर्वप्रथम विद्यार्थी को 12वीं पास करना होगा।
- 12वीं कक्षा पास करने के पश्चात विद्यार्थी अपने नजदीकी किसी भी इवेंट मैनेजमेंट कोर्स उपलब्ध करवाने वाली कॉलेज में जाकर अपने एडमिशन के लिए एप्लीकेशन जमा कर सकता है।
- जब आप एडमिशन के लिए जाते हैं। तो कई ऐसे कॉलेज मौजूद है, जहां पर आपको एडमिशन से पहले एक एंट्रेंस एग्जाम में शामिल होना होगा।
- एंट्रेंस एग्जाम पास करने के पश्चात ही आप को एडमिशन दिया जाएगा।
- कई ऐसे कॉलेज है, जो आपको 12वीं के अंकों के आधार पर भी एडमिशन उपलब्ध करवा देते हैं।
- अलग-अलग चरणों के माध्यम से एडमिशन मिलने के पश्चात आपको अपने आवेदन फीस के साथ एडमिशन को कंफर्म कर लेना है।
- अब विद्यार्थी को 2 वर्ष के इस डिप्लोमा को पूरा करना है और इवेंट मैनेजमेंट कोर्स का सर्टिफिकेट हासिल करना है।

आगे बढ़ने के ढेर सारे मौके

करियर स्कोप

जब कोई भी विद्यार्थी किसी भी डिग्री व डिप्लोमा कोर्स को पूरा करता है। तो उसके पश्चात विद्यार्थी के दिमाग में एक ही सवाल उत्पन्न होता है कि इस कोर्स को करने के पश्चात मेरे लिए भविष्य में कौन-कौन से करियर के स्कोर पर मौजूद होंगे। इवेंट मैनेजमेंट का कोर्स करने वाले विद्यार्थी को नाम से ही पता चल जाता है, कि करियर के स्कोप के तौर पर उसे इवेंट मैनेजर का काम करना होगा। लेकिन इवेंट मैनेजमेंट डिप्लोमा के पश्चात कौन-कौन से अन्य करियर स्कोप मौजूद होते हैं।

कोर्स फीस : विद्यार्थी किसी भी डिप्लोमा कोर्स या डिग्री लेने से पहले उस कोर्स को करने में कितनी फीस लगेगी इसके बारे में आकलन लगाना पसंद करता है। क्योंकि हर विद्यार्थी अमीर परिवार से नहीं होता है। हर विद्यार्थी अपने अपने स्टैंडर्ड के हिसाब से ही डिग्री और डिप्लोमा लेने के बारे में सोचता है। इस कोर्स को करने के लिए सरकारी कॉलेज में 20000 रुपये तक का प्रतिवर्ष खर्चा आता है तो प्राइवेट कॉलेज में इस डिप्लोमा को करने का 100000 रुपये प्रति वर्ष तक खर्चा आता है और कई ऐसे प्राइवेट कॉलेज है। जहां इससे भी अधिक फीस आपको देनी पड़ती है।

यहां मिलता रोजगार

- शादी
- समारोह
- अवॉर्ड समारोह
- टीवी शो
- म्यूजिक लॉन्च
- म्यूजिक समारोह
- फिल्म अवॉर्ड
- फैशन शो
- थीम पार्टी
- प्रदर्शनी
- कोरपोरेट सेमिनार
- बर्थडे पार्टी समारोह

मिलते बहुत सारे विकल्प

जब विद्यार्थी 12वीं कक्षा पास करके इवेंट मैनेजमेंट कोर्स के लिए आगे बढ़ता है। तो विद्यार्थी के सामने बहुत सारे विकल्प खड़े हो जाते हैं। जिसमें से किसी भी एक कोर्स का चयन करके विद्यार्थी को इवेंट मैनेजमेंट कोर्स को पूरा करना होता है। इवेंट मैनेजमेंट के कौन कौन से कोर्स है।

सर्टिफिकेट कोर्स इन इवेंट मैनेजमेंट
डिप्लोमा इन इवेंट मैनेजमेंट
पीजी डिप्लोमा इन मीडिया एंड इवेंट मैनेजमेंट
बेचलर इन इवेंट मैनेजमेंट, बीएससी इन इवेंट मैनेजमेंट, बीबीए इन इवेंट मैनेजमेंट, बीए इन इवेंट मैनेजमेंट, मास्टर इन इवेंट मैनेजमेंट, एमबीए इन इवेंट मैनेजमेंट

देश की सुरक्षा करने के लिए विशाल सेना की आवश्यकता

इंडियन नेवी में बनाएं करियर, अच्छी सैलरी के साथ-साथ मिलेगा देश सेवा का भी मौका

जॉब ट्रेंड्स

करियर डेस्क

भारत देश अनेक सारे देशों की सीमाओं से सटा हुआ एक विशाल देश है। भारत की सीमाएं तीन से चार दुश्मन देशों से मिलती है। ऐसी स्थिति में देश की सुरक्षा करने के लिए एक विशाल सेना की आवश्यकता होती है। विशाल सेना के अंतर्गत नेवी भी शामिल है। बता देते हैं कि भारत के दक्षिण दिशा में विशालकाय समुद्र है। जहां से देश की सुरक्षा करना बहुत बड़ी चुनौती है और बहुत जरूरी भी है। ऐसी स्थिति में भारतीय नेवी का गठन किया गया है। यह काफी ताकतवर भारतीय सेना है, जो समुद्री मार्ग से आने वाले दुश्मनों का सामना करती है और देश को हमेशा सुरक्षित बनाए रखती है। इंडियन नेवी को हिंदी में नौसेना कहते हैं। यह फौज सामान्य फौज की तुलना में काफी ताकतवर होती है। इनके पास विशालकाय पानी वाले जहाज और पानी में चलने वाले हथियार होते हैं। इसके अलावा इन सैनिकों को पानी में युद्ध करने की पूरी ट्रेनिंग दी जाती है, ताकि कभी भी युद्ध होने पर पानी में भी भारतीय सेना मुकाबला कर सकें। समुद्र में विभिन्न प्रकार के तत्व और तेल पाए जाते हैं। इसीलिए भारतीय सीमा के अंतर्गत आने वाले समुद्र की रक्षा भी इंडियन नेवी द्वारा ही की जाती है। इसके अलावा समुद्री मार्ग से होने वाले राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय व्यापार भी नेवी की नजर से होकर गुजरता है। इंडियन नेवी दुनिया के सबसे ताकतवर नेवी में से एक है। समय-समय पर आपने टेलीविजन पर देखा होगा, कि किस तरह से इंडियन नेवी द्वारा युद्धाभ्यास किया जाता है और सरकार द्वारा भी विभिन्न प्रकार के हथियार इंडियन नेवी को उपलब्ध कराए जाते हैं। हाल ही में विक्रांत नाम का सबसे बड़ा और विशालकाय जहाज इंडियन नेवी को मिला है, जिसे समुद्र में उतार कर युद्ध अभ्यास भी किया जा चुका है। इस तरह के युद्धाभ्यास के बाद दूसरे देशों की सेना भी भारतीय सेना से टकराने के लिए एक हजार बार सोचती है। भारतीय नेवी अफसरों को काफी सम्मान मिलता है। इसीलिए आज के समय के अनेक सारे युवा इंडियन नेवी के तहत जॉब करना चाहते हैं। लेकिन उन्हें इस विषय में कोई जानकारी नहीं है।

भारतीय नौसेना काफी ताकतवर

समुद्री इलाके में तैनाती

समुद्री इलाके में देश की सुरक्षा के लिए नौसेना को तैनात किया जाता है। भारतीय नेवी के पास हर तरह के हथियार और उपकरण है, जिसकी मदद से वह देश की सुरक्षा के साथ किसी भी चुनौती का सामना करने में सक्षम है। इंडियन नेवी का सबसे बड़ा अधिकारी नौसेना अध्यक्ष होता है तथा इस सेना की सर्वोच्च कमान भारत के राष्ट्रपति के पास होती हैं। पश्चिमी देशों में प्राचीन काल से ही समुद्री यात्राएं की जाती है। लेकिन भारत में पहले ऐसा नहीं होता था। जब भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपने कदम रखें, तो वे समुद्री मार्ग से ही आए थे और उसके बाद समुद्र मार्ग से ही भारत के साथ पश्चिमी देशों में व्यापार शुरू कर लिया और समुद्र के रास्ते से ही सभी तरह के व्यापार किए जाते थे। समुद्र के रास्ते विभिन्न देशों की यात्राएं होती थी। इसीलिए महाराष्ट्र के छत्रपति शिवाजी महाराज ने सन 1674 में अपने शासनकाल में समुद्री सेवा की स्थापना की थी, उसे ही भारतीय इतिहास में इंडियन नेवी स्थापना कहा जाता है।

लंबा इतिहास

भारतीय नौसेना का इतिहास काफी पुराना है। भले ही आज के समय में इंडियन नेवी को अंग्रेजों की देन कहते हैं या अंग्रेजों को ही इंडियन नेवी का श्रेय देते हैं। लेकिन यह पूरी तरह से सही नहीं है क्योंकि छत्रपति शिवाजी महाराज ने अपने शासनकाल में समुद्री सेना का विस्तार कर दिया था, जिसके बाद आए अंग्रेजों ने अपने हिसाब से उसे विकसित किया और बड़े पैमाने पर फैलाया। यही वजह है कि आज के समय में हमें अक्सर लोगों द्वारा यह सुनने को मिलता है की अंग्रेजी शासन काल के दौरान ही आधुनिक भारत में इंडियन नेवी की स्थापना की गई थी, बल्कि स्थापना की बजाय विकास किया गया था। हिंदी में इंडियन नेवी को भारतीय नौसेना नाम से भी जाना जाता है।

ऐसे बनाएं करियर

- अब तक आप भारतीय नौसेना के बारे में जान चुके हैं और अब भारतीय नौसेना में जाने का मन बना चुके हैं। तो आपको इंडियन नेवी में जाने से पहले विभिन्न प्रकार की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए
- आपको यह पता होना चाहिए की कि आप भारतीय नेवी में जाने लायक है या नहीं क्योंकि यह एक ताकतवर फौज है।
- यहां पर विभिन्न प्रकार की योगिता निर्धारित की गई है। इन योग्यता के आधार पर ही चयन किया जाता है।
- अगर आप नौसेना में करियर बनाना चाहते हैं। तो पहले इसका पूरा गणित समझ लीजिए।

शैक्षणिक योग्यता

- भारतीय नौसेना में यूपीएससी, एनडीए के द्धारा ली जाने वाली परीक्षा के आधार पर ही चयन किया जाता है।
- उम्मीदवार का मान्यता प्राप्त बोर्ड से हाई स्कूल पास आउट होना चाहिए।
- इंटरमीडिएट परीक्षा में अच्छे अंकों के साथ पास करने वाले उम्मीदवार भी इंडियन नेवी के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- अगर आपने कोई अच्छा कंप्यूटर कोर्स किया है, तो आपको इंडियन नेवी में चयनित होने के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ेगी।
- अगर आपको टेक्नोलॉजी का ज्ञान है और उसमें रुचि है तो इंडियन नेवी में आपका चयन आसान हो सकता है।
- इंडियन नेवी में आवेदन करने वालों का भारतीय नागरिक होना आवश्यक है।
- इंडियन नेवी में आवेदन करने वालों का शारीरिक और मानसिक रूप से पूर्णता स्वस्थ होना चाहिए।
- भारतीय नौसेना में भर्ती के लिए न्यूनतम आयु सीमा 18 वर्ष निर्धारित की गई है।
- इंडियन नेवी में अप्लाई करने वाले कैडिडेट्स के लिए अधिकतम आयु सीमा 25 वर्ष तय की गई है।
- आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों का मान्यता प्राप्त 10वीं अथवा 12वीं कक्षा पास होना जरूरी है।
- उम्मीदवार को दसवीं अथवा 12वीं कक्षा में कम से कम 50% अंक प्राप्त करने आवश्यक है।
- आवेदन करने वाले अभ्यर्थी को हिंदी तथा अंग्रेजी दोनों ही भाषाओं का अच्छा ज्ञान होना चाहिए।
- आवेदन करने वाले पुरुष अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम शरीर की लंबाई 157 सेंटीमीटर तय की गई है।
- महिला आवेदकों के लिए शरीर की लंबाई 152 सेंटीमीटर होना जरूरी है।
- पुरुष अभ्यर्थियों के छाती का विस्तारित आकार 5 सेमी होना जरूरी है।
- महिलाओं के लिए इस तरह के छाती के विस्तारित आकार की कोई योग्यता निर्धारित नहीं की गई है।
- इंडियन नेवी के आवेदकों का शारीरिक परीक्षण किया जाता है उसमें पास होना जरूरी है।
- उम्मीदवार अंधा नहीं होना चाहिए, दोनों आंखों से बराबर देखने वाला होना चाहिए।
- उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक रूप से पूर्णतया स्वस्थ होना जरूरी है।

इन प्रोसेस से गुजरना होगा

इंडियन नेवी में भर्ती के लिए तीन प्रक्रिया निर्धारित की गई है। इन तीन प्रक्रियाओं के आधार पर जॉइनिंग की जाती है। वह इस प्रकार है।

लिखित परीक्षा फिटनेस टेस्ट मेडिकल चेकअप

इंडियन नेवी में भर्ती होने के लिए सबसे पहले परीक्षा देनी होता है जिसके लिए लिखित परीक्षा आयोजित करवाई जाती है। इस परीक्षा में पास होना जरूरी है। 12वीं कक्षा पास करने के बाद भी आप नेवी परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस परीक्षा के लिए भी एग्जाम पैटर्न और सिलेबस निर्धारित किया जाता है। अगर आप उसे अच्छी तरह से समझ लेते हैं, तो यह परीक्षा पास करना आपके लिए काफी आसान हो जाता है। बता देते हैं कि इंडियन नेवी में लिखित परीक्षा के तहत फिजिक्स, केमिस्ट्री, सामान्य ज्ञान, मैथ इंग्लिश, रिजनिंग इत्यादि विषय को सिलेबस के तहत निर्धारित किया गया है। इस परीक्षा में 100 अंकों के 100 प्रश्न पूछे जाते हैं तथा यह परीक्षा केवल 60 मिनट में देनी होती है, जो उम्मीदवार इस परीक्षा को पास कर लेते हैं उन्हें फिटनेस टेस्ट के लिए भेज दिया जाता है लेकिन जो फेल हो जाते हैं। उन्हें वापस अपने घर लौटना होता है जो उम्मीदवार दूसरे चरण के फिटनेस परीक्षा भी पास कर लेता है उन्हें तीसरे चरण की मेडिकल परीक्षा के लिए भेज दिया जाता है। यहां पर उम्मीदवार के शरीर का मेडिकल टेस्ट किया जाता है जिसमें यह देखा जाता है कि उम्मीदवार पूरी तरह से मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ है या नहीं। और शरीर के सभी अंग सही ढंग से काम करते हैं या नहीं। इस टेस्ट में पास होने वाले उम्मीदवारों को ट्रेनिंग के लिए भेज दिया जाता है। वे इस परीक्षा में पास हो जाते हैं और ट्रेनिंग के बाद उन्हें जॉइनिंग मिल जाती है।

वर्तमान परिदृश्य में छात्रों के लिए समय का प्रभावी उपयोग करना बेहद जरूरी

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

आज का समय, वह दौर है जो न केवल चुनौतियों से भरा है, बल्कि अनगिनत अवसरों का खजाना भी लेकर आया है। डिजिटल क्रांति, ऑनलाइन शिक्षा का विस्तार, और वैश्विक स्तर पर हो रहे बदलावों ने छात्रों के लिए नए रास्ते खोले हैं। लेकिन इसके साथ ही, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, भविष्य की अनिश्चितता और पढ़ाई का दबाव भी सामने आया है। ऐसे में, यह समय छात्रों के लिए एक सुनहरा अवसर है कि वे अपनी प्रतिभा को निखारें, अपने सपनों को पंख दें और अपने लक्ष्यों की ओर दृढ़ता से बढ़ें। यह लेख उन सभी छात्रों के लिए है जो इस परिदृश्य को समझकर समय का सर्वोत्तम उपयोग करना चाहते हैं और हर परिस्थिति में प्रेरित रहना चाहते हैं। समय एक ऐसी संपत्ति है जो कभी वापस नहीं आती, और छात्र जीवन वह दौर है जब आप इस संपत्ति को सही दिशा में निवेश करके अपने भविष्य को सुनहरा बना सकते हैं।

डिजिटल युग ने शिक्षा को अधिक सुलभ बनाया

आइए, जानें कि इस समय का प्रभावी उपयोग कैसे करें और प्रेरणा की आग को कैसे जलाए रखें। सबसे पहले, हमें यह समझना होगा कि वर्तमान परिदृश्य को एक चुनौती के बजाय अवसर के रूप में देखना चाहिए। डिजिटल युग ने शिक्षा को पहले से कहीं अधिक सुलभ बना दिया है। यूट्यूब, कोर्सेरा, खान एकेडमी जैसे मंच मुफ्त या किफायती कोर्स प्रदान करते हैं, जिनके माध्यम से आप प्रोग्रामिंग, डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एनालिसिस, या कोई अन्य कौशल सीख सकते हैं। ये कौशल न केवल आपके करियर को नई दिशा देंगे, बल्कि आपको आत्मविश्वास भी प्रदान करेंगे। इसके लिए एक लक्ष्य-आधारित योजना बनाना जरूरी है। अपने दीर्घकालिक लक्ष्य को छोटे-छोटे दैनिक लक्ष्यों में तोड़ें। उदाहरण के लिए, यदि आप इंजीनियरिंग या मेडिकल की तैयारी कर रहे हैं, तो रोजाना 1-2 घंटे किसी कठिन विषय को समर्पित करें। एक टाइम-टेबल बनाएँ, जिसमें पढ़ाई, कौशल विकास, और आत्म-देखभाल के लिए समय हो। इस अनुशासित दिनचर्या से आप समय की बर्बादी से बचेंगे और अपने लक्ष्यों के करीब पहुंचेंगे। लेकिन ध्यान रहे, सोशल मीडिया और अनावश्यक स्क्रॉलिंग समय के सबसे बड़े चोर हैं। अपने फोन पर स्क्रीन टाइम लिमिट सेट करें और पढ़ाई के दौरान नोटिफिकेशन बंद रखें। प्रेरणा वह शक्ति है जो आपको कठिनाइयों के बीच भी आगे बढ़ने का हौसला देती है। लेकिन प्रेरणा को बनाए रखना आसान नहीं है, खासकर तब जब असफलताएँ, तनाव, या नकारात्मक विचार आपके रास्ते में आएँ। प्रेरित रहने का पहला कदम है अपने *क्यों* को स्पष्ट करना। आप पढ़ाई क्यों कर रहे हैं? शायद आप अपने परिवार को गर्व महसूस कराना चाहते हैं, या एक बेहतर भविष्य का सपना देखते हैं। इस *क्यों* को एक कागज पर लिखें और अपनी स्टडी टेबल पर चिपकाएँ। यह आपको हर दिन याद दिलाएगा कि आपका लक्ष्य कितना महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, छोटी-छोटी जीत का जश्न मनाएँ। एक कठिन चैप्टर पूरा किया? एक नया कॉन्सेप्ट समझा? खुद को शाबाशी दें यह छोटी जीत आत्मविश्वास की नींव बनाती हैं। प्रेरक स्रोतों से भी जुड़ें। स्वामी विवेकानंद, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जैसे महान व्यक्तियों की जीवनी पढ़ें, प्रेरक पॉडकास्ट सुनें, या यूट्यूब पर प्रेरणादायक वीडियो देखें। स्वामी विवेकानंद का यह कथन हमेशा याद रखें: *उठो, जागो और तब तक नहीं रुको, जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।* साथ ही, अपने आसपास सकारात्मक माहौल बनाएँ।

नकारात्मक लोगों से दूरी रखें

नकारात्मक लोगों से दूरी रखें और उन दोस्तों, शिक्षकों, या ऑनलाइन समुदायों से जुड़ें जो आपको प्रोत्साहित करें। चुनौतियां हर किसी के जीवन का हिस्सा हैं, और वर्तमान समय में ये चुनौतियाँ और भी जटिल हो सकती हैं। परीक्षा का दबाव, आर्थिक अनिश्चितता, या भविष्य की चिंता आपको विचलित कर सकती है। लेकिन इनका सामना करने के लिए आपको तनाव प्रबंधन की कला सीखनी होगी। रोजाना 5-10 मिनट ध्यान (मेडिटेशन) करें, गहरी सांस लें, या योग का अभ्यास करें। यह आपके दिमाग को शांत रखेगा और प्रेरणा को बनाए रखेगा। सकारात्मक आत्म-चर्चा भी एक शक्तिशाली हथियार है। मैं यह नहीं कर सकता की जगह कहें, मैं इसे सीख लूंगा। असफलता को डर के रूप में न देखें, बल्कि इसे एक शिक्षक के रूप में अपनाएं। हर असफलता आपको कुछ नया सिखाती है। थॉमस एडिसन ने बल्ब बनाने से पहले 1000 बार असफलता का सामना किया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। आप भी हर बार गिरकर उठने की हिम्मत रखें। इसके अलावा, पढ़ाई के दौरान छोटे-छोटे ब्रेक लें। हर 45 मिनट की पढ़ाई के बाद 5 मिनट का ब्रेक आपके दिमाग को तरोताजा रखेगा। स्वास्थ्य को कभी नजरअंदाज न करें, क्योंकि स्वस्थ शरीर और मन ही प्रेरणा का आधार हैं। रोजाना 20-30 मिनट व्यायाम करें, चाहे वह टहलना हो, योग हो, या कोई खेल। संतुलित आहार लें और पर्याप्त नींद लें। नींद की कमी आपके फोकस और प्रेरणा को कम कर सकती है।

सामान्य ज्ञान

1. इलेक्ट्रॉन के तरंग प्रकृति की खोज किसने की थी
(ए) थॉमसन
(बी) डी ब्रोग्ली
(सी) रदरफोर्ड
(डी) बोहर

2. तत्व के सबसे छोटे भाग को क्या कहते हैं
(ए) परमाणु
(बी) इलेक्ट्रॉन
(सी) न्यूट्रॉन
(डी) प्रोटॉन

3. डॉल्टन के परमाणु सिद्धांत के अनुसार कौन सा सबसे छोटा कण स्वतन्त्र रूप से रह सकता है
(ए) अणु
(बी) परमाणु
(सी) धनायन
(डी) ऋणायन

4. किसी परमाणु का रासायनिक व्यवहार निर्भर करता है, उसके -
(ए) न्यूक्लियस में प्रोटानो की संख्या पर
(बी) न्यूक्लियस में न्युट्रानो की संख्या पर
(सी) न्यूक्लियस के गिर्द घुम रहे इलेक्ट्रॉनो की संख्या पर
(डी) न्यूक्लियस में न्युक्लियनो की संख्या पर

5. द्रव्यमान संख्या' किसका योग है ?
(ए) केवल प्रोटान
(बी) इलेक्ट्रॉन और प्रोटान
(सी) इलेक्ट्रॉन और न्यूट्रान
(डी) प्रोटान और न्यूट्रान

6. किसी परमाणु के द्रव्यमान और द्रव्यमान संख्या के अंतर को कहते हैं
(ए) परमाणु क्रमांक
(बी) परमाणु संख्या
(सी) द्रव्यमान क्षति
(डी) इलेट्रॉनों की संख्या

7. किस न्यूक्लियर कण में कोई द्रव्यमान और आवेश नही होता ,किन्तु प्रचक्रण होता है
(ए) इलेक्ट्रॉन
(बी) प्रोटॉन
(सी) न्यूट्रॉन
(डी) मेसॉन

उत्तर 1.(बी) 2.(ए) 3.(बी) 4.(सी) 5.(डी) 6.(सी) 7.(सी)

खबर संक्षेप

कन्या जन्म पर कुआं पूजन कर खुशियां मनाई

रेवाड़ी। गांव निखरी निवासी बिजेन्द्र सिंह व कौशल्या देवी के घर पोती के जन्म पर कुआं पूजन समारोह का आयोजन कर खुशियां मनाई गई। पिछले दिनों से प्रशासन की ओर से भी बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत गांवों में कार्यक्रम आयोजित कर लिंगानुपात बढ़ाने का संदेश दिया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से कन्या के जन्म पर परिवारों को सम्मानित करके प्रोत्साहित किया जा रहा है।

नियमित योग करने से होने वाले फायदे बताए

रेवाड़ी। लायंस क्लब की ओर से शुक्रवार को लायंस भवन में योग दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन योग परिवार मंच के डा.अनिल कुमार की देखरेख में किया गया। मुख्य अतिथि लायन अशोक सोमानी ने योग के महत्व पर प्रकाश डाला और साधकों को नियमित योग करने से होने वाले फायदे बताए।

विश्व स्तनपान सप्ताह के दौरान विचार गोष्ठी

कोसली। झाड़ौदा गांव में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से सात अगस्त तक मनाए जा रहे विश्व स्तनपान सप्ताह के दौरान विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। झाड़ौदा की आंगनबाड़ी केंद्र में आयोजित हुई विचार गोष्ठी में बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर पिंकी शर्मा ने बताया कि स्तनपान करवाने से शिशु की सेहत बनती है और उसमें बीमारियों से लड़ने की क्षमता पैदा होती है। मां के दूध में कोलस्ट्रम होता है जो कि रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है।

ग्रामीणों ने जोहड़ के पास रोपित किए पौधे

रेवाड़ी। गांव बुड़ौली में शुक्रवार को पौधारोपण अभियान चलाया गया। ग्रामीणों ने गांव के जोहड़ के पास एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधे रोपित किए। ग्रामीण हुकमचंद ने अपनी मां स्व.नाथी देवी की पुण्यतिथि पर 5 पौधे रोपित किए तथा उनके संरक्षण की जिम्मेदारी भी ली। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को लेकर प्रत्येक नागरिक को कम से कम दो पौधे अवश्य लगाने चाहिए।

प्राथमिक पाठशाला में पौधे लगाकर बताया महत्व

कोसली। राजकीय प्राथमिक पाठशाला नूरगढ़ में शुक्रवार को में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण किया गया। विद्यालय प्रभारी सतपाल व स्टाफ सदस्यों ने विद्यालय परिसर में आम, चीकू, सेब, अमरूद, बेलपत्र, नींबू, करी पत्ता के सात पौधे लगाए। प्रधानाचार्य देवेन्द्र सिंह ने बच्चों को पर्यावरण संरक्षण में वृक्षों के महत्व की जानकारी देते हुए पौधारोपण का आह्वान किया। इस अवसर पर ओमप्रकाश, पूनम, अनिता, जयप्रकाश, विजय सिंह, सुमन लता आदि मौजूद रहे।

बासदुदा: ग्वार फसल में बीमारियों तथा कीटों के प्रकोप के रोकथाम पर गोष्ठी

दवाई खरीदते समय एक्सपायरी डेट चेक करके पक्का बिल अवश्य लें

ग्वार विशेषज्ञ डा. बीडी यादव ने कहा-किसानों को पांच स्ट्रेप्टोसाइक्लिन पाऊच तथा स्प्रे के नुकसान से बचने के लिए हिन्दुस्तान गम एंड केमिकल्स भिवानी की तरफ से मास्क भी दिए गए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुंड

रेवाड़ी। शिविर में किसानों को जानकारी देते हुए कृषि विशेषज्ञ डा. बीडी यादव। फोटो : हरिभूमि

खोल खंड के गांव बासदुदा में शुक्रवार को कृषि विभाग व हिंदुस्तान गम एंड केमिकल के तत्वावधान में ग्वार फसल हेल्थ प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। ग्वार विशेषज्ञ डा. बीडी यादव व कृषि पर्यवेक्षक डा. देवेन्द्र सिंह सिंह के तत्वावधान में कृषि गोष्ठी आयोजित की गई। शिविर में मौजूद किसानों को पांच स्ट्रेप्टोसाइक्लिन पाऊच तथा स्प्रे के नुकसान से बचने के लिए हिन्दुस्तान गम एंड केमिकल्स भिवानी की तरफ से मास्क भी दिए गए। रिटायर्ड कृषि वैज्ञानिक डा. जगदेव सिंह ने भी किसानों को जानकारी दी। प्रगतिशील किसान राजेन्द्र सिंह का शिविर में विशेष योगदान रहा।

इस मौके पर डा. बीडी यादव ने कहा कि ज्यादा बारिश होने पर मौसम में ज्यादा नमी बढ़ने से ग्वार फसल पर सफेद मक्खी व हरा तेला बीमारियों का प्रभाव धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा है। किसानों को कीटों व बीमारियों को ठीक से पहचान कर आवश्यकतानुसार दवाओं का उचित चयन करके प्रयोग करना चाहिए। किसान दवा विक्रेताओं से दवा खरीद कर स्प्रे करते है, जिससे कई बार नुकसान होने का डर रहता है। दवाई खरीदते समय पक्का बिल अवश्य लें तथा दवा की बोतल पर समाप्ति तिथि अवश्य जांच करें और बिल कटवाते समय बिल में दवा का बैच नंबर अवश्य लिखवाएं। उन्होंने कहा कि ग्वार के पत्ते किनारी से पीला व काला होने से पहले उपाय करें। उन्होंने कहा कि ज्यादातर किसान ग्वार फसल में कीटों व बीमारियां से 25 से 30 प्रतिशत प्रकोप होने पर स्प्रे करने की सोचता है। उस अवस्था तक किसानों का काफी नुकसान हो चुका होता है।

बीमारी से बचाने के लिए दवा का छिड़काव करें

यादव ने बताया कि ग्वार के पत्तों का किनारी से पीलापन, काला होना, जीवाणु अंगमारी व फंगस रोग आदि बीमारी दिखाई देने से पहले रोकथाम के लिए 30 ग्राम स्ट्रैप्टोसाइक्लिन व 400 ग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोराईड को 200 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़काव करें। अगर इन बीमारियों के साथ हरा तेला व सफेद कीड़ों का प्रकोप हो तो उसकी पहचान करके इसके नियंत्रण के लिए 250 मिली मैलाथियोन-50 ईसी या डाइमेथोएट (रोगोर) 30 ईसी प्रति एकड़ उपरोक्त घोल में मिलाकर पहला छिड़काव बिजाई के 40-45 दिन पर तथा अगला स्प्रे इसके 12-15 दिन अंतराल पर करें। ऐसा करने से ग्वार की फसल की पैदावार पर अनुकूल असर पड़ता है। इस अवसर पर अनिल कुमार, प्रगतिशील किसान मास्टर नेमीचंद शास्त्री, हंसराज, नरेश, नरेन्द्र, अभयसिंह, अजय कुमार, बीर सिंह, कृष्ण कुमार व सत्यपाल मौजूद थे।

रेवाड़ी। अस्पताल की मांग को लेकर धरने पर बैठे ग्रामीण।

अस्पताल बनाओ संघर्ष कमेटी ने तुर्कियावास में कैंडल मार्च निकाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

- धरना 46वें दिन जारी रहा, लोगों को किया जागरूक किया गया

सरकारी अस्पताल बनाने की मांग को लेकर अस्पताल बनाओ संघर्ष कमेटी रामगढ़ भगवानपुर का धरना शुक्रवार को 46वें दिन में प्रवेश कर गया। धरने में हर रोजाना अलग-अलग गांवों से लोग शामिल हो रहे हैं। कमेटी की ओर से कैंडल मार्च जन जागरण अभियान के तहत ग्रामीणों को जोड़ा जा रहा है। शुक्रवार को धरने की अध्यक्षता राव लाल सिंह ने की। इस मौके पर सरपंच प्रतिनिधि अनिल कुमार ने कहा जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती, तब तक धरना जारी रहेगा। अस्पताल बनाओ संघर्ष कमेटी की ओर से शुक्रवार को गांव तुर्कियावास में जनसभा की गई तथा कैंडल मार्च निकालकर लोगों को जागरूक किया गया। इस मौके पर महिपाल फदनी, अनिल सरपंच गोकलपुर,अभय सिंह फिदेड़ी, सुदन लाल, सतीश सरपंच बुड़ानी, खजान सिंह बुड़ानी,रामकुमार बुड़ानी, मोहर सिंह, रामकुमार, राज सिंह, इंद्रजीत नंबरदार, हरिओम, राजबीर, वीरेंद्र सिंह फोजी, कृष्णा देवी भगवानपुर सरपंच, आशा भगवानपुर, सुनीता भगवानपुर, शांति भगवानपुर, मोनिका, विमला, रमेश, संतोष, उर्मिला, अनीता भगवानपुर, शकुंतला भगवानपुर, निर्मला, मंजू, रामगिरी व वीरमति सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

स्टेट जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए ट्रायल 5 को

कोसली। हरियाणा राज्य जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए जिले के खिलाड़ियों का ट्रायल 5 अगस्त को कारोली गांव के खेल मैदान में लिया जाएगा। जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव विशाल यादव व एथलेटिक्स कोच विकास पूनिया ने बताया कि दसवीं हरियाणा राज्य जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन 16 से 17 अगस्त को रायल स्पोर्ट्स अकादमी जींद जिले के गांव पांडू पिंडारा में होने जा रहा है। चैंपियनशिप में 20, 18, 16 तथा 14 वर्ष से कम आयु वर्ग के लड़के व लड़कियां भाग ले सकते हैं।

धान फसल अवशेष प्रबंधन सप्लाई स्थापित करने के लिए 7 तक आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

कृषि विभाग की ओर से वर्ष 2025-26 के लिए आरकेवीवाई स्कीम के स्माम घटक के अंतर्गत धान फसल अवशेष प्रबंधन सप्लाई श्रृंखला स्थापित करने के लिए इच्छुक बायोमास इन्डस्ट्रीज, एफपीओ, पंचायत, किसान समूह व व्यक्तिगत किसान 7 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 जुलाई से बढ़ाकर अब 7 अगस्त तक कर दी गई है। सहायक कृषि अभियंता दिनेश शर्मा ने बताया कि योजना में कोई भी बायोमास इन्डस्ट्रीज किसी भी एग्रीगेटर के साथ द्विपक्षीय समझौता सहित आवेदन कर सकते है। इसके लिए प्रोजेक्ट लागत का 65 प्रतिशत भाग विभाग द्वारा वहन किया जाएगा। इसके अलावा 10 प्रतिशत एग्रीगेटर द्वारा तथा बाकी हिस्सा इन्डस्ट्रीज द्वारा वहन किया जाएगा। अगर कोई एफपीओ, पंचायत, किसान समूह व व्यक्तिगत किसान यदि द्विपक्षीय समझौते के बिना आवेदन करता है तो प्रोजेक्ट लागत का 35 प्रतिशत हिस्सा खुद ही वहन करना होगा व 65 प्रतिशत भाग विभाग द्वारा वहन किया जाएगा।

एक करोड़ रुपये प्रोजेक्ट की लागत

दिनेश शर्मा ने बताया कि स्कीम में 3500 एमटी पैडी स्ट्रा प्रति सीजन के लिए एक करोड़ रुपए प्रोजेक्ट लागत तथा 4500 एमटी पैडी स्ट्रा प्रति सीजन के लिए 1.5 करोड़ प्रोजेक्ट लागत तय की गई है। इस योजना में पैडी सप्लाई चेन के लिए 12 मशीन शामिल की गई हैं, जिसमें कटर/रोटरी स्लेशर, टेडर मशीन, रेक, ट्रैक्टर 75-110 एचपी, स्ट्रा बेलर (रेक्टअंगुलर और राउंड बेलर), ट्रैक्टर 50 एचपी (टेडर मशीन व रेक के लिए), ट्रॉली (फ्लेट सिंगल, एक्सल, स्थानीय निर्माता, स्वचालित बेल लोडिंग ट्रॉली), टेली हंडलर, नमी मीटर, वॉटर टैंक (5000 लीटर), आग बुझाने का यन्त्र, लाईटनिंग अरेस्टर मशीन शामिल की गई है। जो आवेदन स्कीम की गाइडलाईन के अनुसार पूर्ण पाए जांएगे, उनकी सिफारिश जिला स्तर पर जिला स्तरीय कार्यकारी कमेटी की ओर से राज्य स्तरीय चयन कमेटी को चयन के लिए की जाएगी।

अधिकारी की पहचान कार्यशैली से होती: यादव

- जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष सामरिया की सेवानिवृत्ति पर जाट धर्मशाला में सम्मान समारोह आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

विधायक लक्ष्मणसिंह यादव ने कहा कि किसी भी अधिकारी की पहचान उसकी कार्यशैली से होती है। एक अच्छा अधिकारी अपने काम से छाप छोड़ सकता है। विधायक शुक्रवार को जाट धर्मशाला में जिला शिक्षा अधिकारी सुभाषचंद सामरिया की सेवानिवृत्ति पर शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीपीसी राजेंद्र शर्मा ने की तथा डाइट प्राचार्य सुभाषचन्द्र यादव मुख्य वक्ता थे। इस अवसर पर सभी वक्ताओं ने सेवानिवृत्त डीईओ सामरिया के शिक्षा विभाग में विभिन्न पदों पर करीब तीन दशकों के कार्यकाल को प्रेरक बताते हुए शुभकामनाएं दी। समारोह में विभिन्न संगठनों से प्रधान अनिल यादव, सुमेर सिंह, अरुण कुमार, महाबीर यादव, डा. वीरेंद्र व हरीश कुमार ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष सामरिया ने उनके कार्यकाल में सहयोगी रहे सभी अधिकारियों, मुखियाओं, कर्मचारियों, संगठनों तथा शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। करीब दो दर्जन संगठनों के प्रतिनिधियों तथा शिक्षाविदों ने उन्हें सम्मानित किया। सरस्वती पूजन तथा स्वागत गीत से प्रारंभ समारोह में आयोजन समिति की ओर से सुभाष सामरिया को पगड़ी, शॉल, साहित्य, अभिनंदन पत्र एवं अन्य उपहार भेंट किए गए। समारोह में उनके परिजनों में सरिता देवी, मेहरचंद, महेंद्रपाल डा. सुरेंद्र कुमार, डा. सीमा, साक्षी, प्रदीप कुमार, राजेंद्र सिंह, ब्रह्मदत्त व अशोक कुमार को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त बीईओ सत्यपाल धूपिया, राजकुमार जलवा, बीईओ संतोष तंवर आदि ने अभार जताया।

रेवाड़ी। डीईओ के सेवानिवृत्ति समारोह में संबोधित करते विधायक लक्ष्मण सिंह यादव। फोटो : हरिभूमि

बीईओ ने अतिथियों का स्वागत किया

कार्यक्रम में पांच सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी धर्मबीर बल्होदिया, नसीब सिंह, महेंद्र सिंह खनगवाल, परमजीत चहल तथा कपिल पूनिया ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर भाग लिया। बीईओ अरविंद यादव ने अतिथियों का स्वागत किया।

अग्रवाल वैश्य समाज ने जरूरतमंद बच्चों को वितरित की शिक्षण सामग्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

अग्रवाल वैश्य समाज की टीम की ओर से शुक्रवार को सेक्टर-4 में स्थित एसएन झुग्गी झोपड़ी संस्कार केंद्र में बच्चों को कॉपी, पेंसिल, रबर और खाने-पीने की सामग्री का वितरण किया गया।

रेवाड़ी विधानसभा संगठन मंत्री यशोदा बंसल, साक्षी बंसल, रेवाड़ी विधानसभा संयुक्त सचिव आशा मंगला, प्रिया गोयल, शशि बंसल, विधानसभा सचिव सपना कुमारी अग्रवाल, पूजा गुप्ता, सीमा, मीनाक्षी, विधानसभा उपाध्यक्ष रेखा अग्रवाल व विधानसभा अध्यक्ष सुनीता अग्रवाल सहित अग्रवाल वैश्य समाज के अन्य सदस्यों ने बच्चों की शिक्षण सामग्री वितरित की।

इस मौके पर सभी ने विधानसभा संगठन मंत्री यशोदा बंसल की सुपुत्री साक्षी बंसल को जन्मदिन की शुभकामनाएं भी दी।

रेवाड़ी। बच्चों को शिक्षण सामग्री वितरित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

संगठन से जुड़ने का आग्रह किया

जिला अध्यक्ष नवीन सिंघल ने बताया कि अग्रवाल वैश्य समाज समय-समय पर शहर मे सामाजिक कार्य करता रहता है। संगठन की ओर से जरूरतमंदों की मदद, धार्मिक आयोजन और सामाजिक किए जाते है। उन्होंने वैश्य समाज के सभी लोगों से संगठन से जुड़ने का आग्रह किया।

विभागीय अधिकारी जन शिकायतों का तत्परता से समाधान करें: अनिल यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोसली

कोसली के विधायक अनिल यादव ने शुक्रवार को जाटूसाना खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय में आयोजित समाधान शिविर में जनसमस्याओं की सुनवाई की। विधायक अनिल यादव ने कहा कि विभागीय अधिकारी जन शिकायतों का तत्परता से समाधान करें। कोई भी शिकायत अधिक समय तक लंबित नहीं रहनी चाहिए। समस्या निवारण के लिए कोई अड़चन है तो उसके बारे में अधिकारी रिपोर्ट दें, ताकि उसका कोई अन्य समाधान निकाला जा सकें। शिविर में लोगों ने जलभराव, अवैध कब्जा हटवाए जाने, रास्ते को पक्का करवाने, पेंशन बनवाने, बिजली-पानी की समस्या से संबंधित शिकायतें रखी। विधायक ने अधिकारियों को समस्याओं के समाधान करने निर्देश दिए। शिविर में 66 शिकायतों की सुनवाई की गई। जाटूसाना ब्लॉक समिति चेयरमैन प्रवीन यादव, वाइस चेयरमैन विक्रम सिंह, सुरेंद्र यादव, पंचायत समिति सदस्य बिक्रम, भूपेंद्र, रेणुबाला कन्होरा, बीडीपीओ कविता आदि मौजूद रहे।

रेवाड़ी। जन शिकायतों की सुनवाई करते हुए विधायक अनिल यादव।

मनबीर लांबा ने कांग्रेस छोड़ थामा भाजपा का दामन

रेवाड़ी। भाजपा की सदस्यता लेते मनबीर लांबा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ोली की अध्यक्षता में गुरुग्राम में हुए कार्यक्रम में कांग्रेसी नेता मनवीर लांबा ने भाजपा का दामन थाम लिया है। प्रदेश अध्यक्ष बड़ोली ने लांबा को भारतीय जनता पार्टी का पटका पहनकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई। उन्होंने कहा भाजपा पार्टी में प्रत्येक कार्यकर्ता को पूरा मान-सम्मान दिया जाता है। इस अवसर पर रेवाड़ी के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रीतम चौहान, तेजपाल तंवर विधायक सोहना, पूर्व विधायक केहर सिंह रावत, गुरुग्राम किसान मोर्चा के प्रभारी वीरेंद्र शर्मा पलवल, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित भारद्वाज गुरुग्राम व पूर्व जिला अध्यक्ष गुरुग्राम कमल यादव उपस्थित थे।

सुनवाई शिविर में अब तक 3143 शिकायतों का समाधान, 114 शिकायतें अस्वीकृत और 288 शिकायतें हैं लंबित

एडीसी ने अपने कार्यालय में समाधान शिविर की साप्ताहिक समीक्षा की

दो माह से अधिक समय तक लंबित न रहे कोई शिकायत: एडीसी राहुल

- एडीसी राहुल मोदी ने सुनवाई नहीं होने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

एडीसी राहुल मोदी ने कहा कि किसी भी विभाग के पास समाधान शिविर में आई शिकायत दो महीने से अधिक समय तक लंबित नहीं रहनी चाहिए। अन्यथा अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अधिकारी शिकायत पर अपनी एक्शन टेकन रिपोर्ट एटीआर को जल्दी उपायुक्त कार्यालय में भिजवाना सुनिश्चित करें। एडीसी मोदी शुक्रवार को अपने कार्यालय में समाधान शिविर की साप्ताहिक समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर में आई शिकायतों पर अधिकारी गंभीरता से कार्य करें। दो महीने से अधिक पुरानी शिकायत किसी विभाग में लंबित नहीं पाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पंचायत विभाग, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, सिंचाई विभाग, नगर परिषद व समाज कल्याण आदि विभागों के अधिकारी लंबित शिकायतों का समाधान करें।

रेवाड़ी। समाधान शिविर में आई शिकायतों की समीक्षा करते एडीसी राहुल मोदी।

शिकायतों पर एक सप्ताह में एटीआर भिजवाई जाए

अभी तक 3143 शिकायतों का समाधान हो चुका है। विभिन्न विभागों से संबंधित 114 शिकायतों को अस्वीकृत कर दिया गया है और 288 शिकायतें अभी लंबित हैं। इन सभी लंबित शिकायतों पर एक सप्ताह में एटीआर भिजवाई जाए। उन्होंने कहा कि समस्याओं का समाधान करके आमजन का जीवन सरल बनाया जाए। नगराधीश जितेंद्र कुमार, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी नरेंद्र सारवान, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता अशोक कुमार, नगर परिषद के अभियंता अंकित वशिष्ठ आदि मौजूद रहे।

सूचना

मैं, बिरेन्द्र सिंह पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह निवासी गांव श्यामनगर तह कोसली जिला रेवाड़ी हरियाणा बयान करता हूं कि मेरे लड़के हेमन्त यादव (HAMENT YADAV) का नाम मेरे आर्मी रिकार्ड में गलती से HAMENT YADAV दर्ज है। जबकि उसका सही व वास्तविक नाम HEMANT YADAV है जो कि उसके आधार कार्ड व स्कूल रिकार्ड में भी दर्ज है। उक्त दोनों नाम मेरे एक व उसी लड़के के हैं। यह सूचना मेरे आर्मी रिकार्ड में उसका सही नाम HEMANT YADAV दर्ज कराने के लिए है।

खबर संक्षेप

प्रियंका यादव

रोहित यादव

दो विद्यार्थियों ने यूजीसी नेट परीक्षा में पाई सफलता

रेवाड़ी। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर के कंप्यूटर साइंस विभाग के एमसीए चौथे सेमेस्टर से प्रियंका यादव और रोहित यादव ने देश की प्रतिष्ठित यूजीसी नेट परीक्षा उत्तीर्ण कर विश्वविद्यालय और विभाग का नाम रोशन किया है। दोनों विद्यार्थियों ने पहले ही प्रयास में यह उपलब्धि हासिल की, जो विभाग के लिए गौरव की बात है। विभागाध्यक्ष प्रो. सतिंदर बल गुप्ता ने बताया कि विश्वविद्यालय अपने छात्रों को भविष्य की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निरंतर मार्गदर्शन देता रहता है।

रेवाड़ी। विजेता खिलाड़ी शिक्षकों के साथ।

खेल प्रतियोगिता में छाए न्यू ईरा स्कूल के खिलाड़ी

खोरी। खंडस्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में कुंड के न्यू ईरा सीनियर सैकेंडरी स्कूल के खिलाड़ी अपना दमखम दिखाते हुए ओवरऑल विजेता बने है। सभी विजेता खिलाड़ियों की जिला स्तर के लिए क्वालीफाई टीमों का स्कूल परिसर में स्वागत किया गया। स्कूल के चेयरमैन नरेंद्र ने सभी को बधाई दी।

लगातार दूसरे दिन भी कई इलाकों में झमाझम बरसात, एक सप्ताह तक इसी तरह बना रह सकता है मौसम

दो दिन में औसत 100 एमएम बारिश, किसानों के लिए वरदान, शहर के लिए बनी आफत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

बीते वीरवार को पूरे जिले में हुई बरसात का सिलसिला शुक्रवार को भी जारी रहा। जिले में औसत 100 एमएम से ज्यादा बारिश होने का अनुमान लगाया जा रहा है। यह बारिश जहां किसानों के लिए वरदान साबित हो रही है, वहीं शहर के लोगों के लिए आफत साबित होने लगी है। टूटी सड़कों के गड्ढों में पानी एकत्रित होने से हादसों की आशंका बनी हुई है। शहर में जगह-जगह जलभराव लोगो के आफत बन गया है। अभी और बारिश होने की संभावना बनी हुई है, जिससे शहर में जलभराव की समस्या और गंभीर हो सकती है।

बारिश का सिलसिल रुक-रुककर दो दिन से चल रहा है। कहीं हल्की, तो कहीं मध्यम बरसात हो रही है। शुक्रवार को भी सुबह से बूंदाबांदी शुरू हो गई। दोपहर तक कई इलाकों में अच्छी बारिश हुई। दो दिन से बारिश के कारण तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। बारिश का सर्वाधिक फायदा किसानों को रहा है। कपास की फसल को फूल व टिंडे आने शुरू हो गए हैं। बाजरे की फसल पर भी सिरटे आ रहे हैं।

रेवाड़ी। बावल रोड पर दो दिन से जमा बरसात का पानी बना आफत व बावल रोड पर गड्ढों में जमा बरसात का पानी तथा मॉडल टाउन में सड़क पर जमा बरसात का पानी। फोटो : हरिभूमि

बारिश से दोनों फसलों को अच्छा फायदा होने की संभावना है। फसलों का तेजी से विकास हो रहा है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार यह बरसात दोनों फसलों के लिए लाभकारी साबित हो सकती है। मौसम कई दिनों तक इसी तरह का बना रहने की सूरत में फसलों को रोग की आशंका बनी रहेगी। इसके लिए किसानों को सावधानी बरतनी होगी। फसल पर बीमारी के लक्षण मिलते ही कृषि विभाग के अधिकारियों को सूचित किया जाना चाहिए, ताकि रोग का निवारण जल्द कराया जा सके।

दो दिन से हो रही बारिश के कारण शहर में जल भराव की समस्या लोगों को जमकर परेशान कर रही है। खासकर टूटी सड़कों के गड्ढों में पानी एकत्रित हो गया है, जो वाहन चालकों को दिखाई नहीं देता। इससे गड्ढों में गिरकर दुपहिया वाहन चालक गिरकर घायल हो रहे हैं। ब्रास मार्केट में ठेकेदार ने अनाजमंडी की ओर गेट के पास सड़क निर्माण के लिए तोड़ी थी। अब यह तालाब का रूप धारण कर चुकी है। शुक्रवार को इसमें एक बाइक फंस गई, जबकि एक कार दुर्घटनाग्रस्त होने से बच गई। टूटी सड़क के कारण बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है।

रेवाड़ी। ब्रास मार्केट की खोदी गई सड़क पर जमा पानी में फंसी बाइक

ट्रैफिक पुलिस की मेहनत पर फिरा पानी

देश के प्रमुख राजमार्गों में शामिल दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर बनीपुर चौक के पास ट्रैफिक पुलिस ने गत वीरवार को कड़ी मेहनत से सर्विस रोड के गड्ढों को भरवाया था। इन गड्ढों में मिट्टी व रोड़ियां डाली गई थीं, ताकि जाम जैसे हाला नहीं बनें। यहां पुल निर्माण का कार्य अधूरा पड़ा हुआ है, जिससे नेशनल हाइवे के सभी वाहनों का भार सर्विस रोड पर रहता है। वीरवार को भरवाए गए गड्ढों को शुक्रवार की बारिश ने बराबर कर दिया। गड्ढों पर डलवाई गई मिट्टी व रोड़ियां बारिश के कारण बहकर बाहर आ गरइं, जिससे फिर से गड्ढे का जाम का कारण बनने लगे हैं।

अभी और बरसात होने की संभावना

मौसम विभाग के अनुसार लगभग एक सप्ताह तक मौसम इसी तरह का बना रह सकता है। इस दौरान हल्की से मध्यम बरसात रुक-रुककर हो सकती है। बीच में आसमान साफ भी होगा, परंतु कुछ इलाकों में बादलों के बीस भारी बारिश भी हो सकती है। तापमान में उतार-चढ़ाव भी बना रहेगा। अगर बारिश का सिलसिला इसी तरह चलता रहा, तो इससे शहर में जलभराव की स्थिति गंभीर हो जाएगी। शहर के निचले इलाकों में जलभराव से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

गणित विभाग की ओर से उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया गया

आईजीयू के गणित विभाग से सेवानिवृत्त हुई प्रोफेसर ममता कामरा को दी भावपूर्ण विदाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर के गणित विभाग में 34 वर्षों की सेवा करने के उपरांत सेवानिवृत्त होने पर विश्वविद्यालय परिवार एवं इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय टीचिंग एसोसिएशन की ओर से प्रोफेसर ममता कामरा को भावपूर्ण विदाई दी गई। समारोह में उनके पति केशव तनेजा व भाई राकेश कामरा मौजूद थे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के टीचिंग व नॉन टीचिंग स्टाफ के सदस्यों, पूर्व छात्रों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। गणित विभाग की ओर से उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर असीम मिगलानी ने प्रोफेसर ममता कामरा की कर्तव्य निष्ठा की प्रशंसा की। कुलसचिव प्रोफेसर दिलबाग सिंह ने भी प्रोफेसर ममता कामरा को अपने कार्यों के प्रति समर्पित बताया। अधिष्ठाता शैक्षणिक मामले प्रोफेसर सुनील कुमार ने उनकी अकादमिक और प्रशासनिक क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर करण सिंह, परीक्षा नियंत्रक डा. विपुल यादव, डीन ऑफ कॉलेज प्रोफेसर रविंद्र, वित्त अधिकारी अनिल कुमार, गणित विभाग से डा. राजेंद्र, डा. सूरज कुमार, डा. अंकित एवं डा. प्रतिभा यादव ने प्रोफेसर कामरा की उत्कृष्ट सेवाओं के लिए आभार व्यक्त किया। गणित विभाग के पूर्व छात्रों में उपस्थित डा. नवीन अदलखा ने भी प्रोफेसर ममता कामरा के योगदान को लेकर विचार व्यक्त किए। प्रोफेसर ममता कामरा विश्वविद्यालय में अनेक महत्वपूर्ण पदों पर रहकर अपनी सेवाएं देते रही, उन्होंने कार्यवाहक रजिस्ट्रार, अधिष्ठाता, डीन अकादमिक अफेयर्स, अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभाग, निदेशक, पब्लिक हेल्थ मैनेजमेंट, गणित विभागाध्यक्ष एवं विभिन्न विभागों की विभाग अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी काम किया। कार्यक्रम का संचालन गणित विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डा. महावीर बड़क ने किया। इससे पूर्व विश्वविद्यालय की टीचिंग एसोसिएशन ने भी प्रोफेसर ममता के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया एवं सम्मान के प्रतीक के रूप में स्मृति चिन्ह भेंट किए। समारोह का समापन सहकर्मियों, छात्रों और शोध विद्वानों द्वारा साझा की गई प्रेरणादायी यादों के साथ हुआ, जिसमें प्रोफेसर ममता कामरा के तीन दशकों के गहरे प्रभाव को स्मरण किया गया।

रेवाड़ी। प्रोफेसर ममता कामरा को स्मृति चिंह भेंट करते हुए स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

प्राइवेट बस ऑपरेटर मुफ्त सुविधा देने को नहीं तैयार यूनियन ने सभी जिलों के जीएम को भेजे पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

प्रदेश की स्टेज कैरीज बस ऑपरेटर्स वेल्फेयर एसोसिएशन ने रोडवेज विभाग की ओर से बसों में दी जाने वाली फ्री और कंसेशनल पास सुविधाओं के स्टेज कैरीज बसों में लागू नहीं होने का हवाला देते हुए सभी जिलों के जीएम को बस ऑपरेटरों को इसके लिए बाध्य नहीं करने के आदेश जारी करने की मांग की है। अगर एसोसिएशन के दावे को सही मानते हुए जीएम आदेश जारी करते हैं, तो प्रदेश की महिलाओं को रक्षा बंधन पर्व पर प्राइवेट बसों में फ्री यात्रा की सुविधा नसीब नहीं होगी। एसोसिएशन की ओर से प्रदेश के सभी जीएम को लिखे गए पत्र में स्पष्ट किया गया है कि स्टेज कैरीज की प्राइवेट बसों पर स्टेज कैरीज-2016 की पॉलिसी में इस बात का उल्लेख नहीं है कि रोडवेज बसों में दी जाने वाली फ्री और कनसेशनल पास सुविधाएं प्राइवेट बसों पर भी लागू हैं। इसके बावजूद रोडवेज अधिकारियों और स्टाफ की ओर से मौखिक आदेश देकर उन्हें इन मुफ्त सुविधाओं का लाभ देने के लिए बाध्य किया जाता है। पत्र में कहा गया है कि राज्य सरकार की ओर से रोडवेज विभाग को समय-समय पर विभिन्न कैटेगरी के फ्री और कंसेशनल पास जारी करने व प्रत्येक वर्ष रक्षाबंधन पर्व पर महिलाओं हेतु हरियाणा रोडवेज की बसों में निशुल्क यात्रा की सुविधा प्रदान करने की हिदायत जारी की जाती है। जनहित में सरकार का एक सराहनीय निर्णय है। परंतु इन योजना को अमल में लाते समय रोडवेज कर्मचारी व बस स्टैंड पर कार्यरत संबंधित स्टेशन सुपरवाइजर यह निर्देश मौखिक अथवा परोक्ष रूप से प्राइवेट बस संचालकों पर भी बिना अधिकार के गैर कानूनी तौर पर भ्रम फैलाकर लागू करते हैं। पत्र में मांग की गई है कि रक्षाबंधन से पूर्व सभी जीएम अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देश जारी करें कि प्राइवेट बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा देने के लिए बाध्य नहीं किया जाए।

रेवाड़ी। सरकुलर रोड स्थित बस स्टैंड। फोटो :हरिभूमि

पत्र में आरटीआई से मिली सूचना का हवाला

पत्र में एसोसिएशन ने हिसार आरटीए कार्यालय से मांगी गई सूचना के जवाब का हवाला दिया गया है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि स्टेज कैरीज स्कीम-2016 में रोडवेज बसों में दी जाने वाली मुफ्त पास सेवा प्राइवेट बसों में लागू होने का कोई जिक्र नहीं किया गया है। एसोसिएशन के राज्य उप प्रधान डा.धनसिंह का कहना है कि स्टेट ट्रांसपोर्ट कमिश्नर के साथ मीटिंग में भी यह मामला उठाया जा चुका है। जब तक सरकार की ओर से प्राइवेट बसों में मुफ्त पास लागू करने के लिए क्षतिपूर्ति राशि का भुगतान करने की व्यवस्था नहीं की जाएगी, तब तक प्राइवेट बसों में यह सुविधा नहीं दी जाएगी। इसके लिए सरकार की ओर से अधिसूचना जारी होने के बाद ही आगामी निर्णय लिया जाएगा।

बीपीसीएल की ओर से स्वच्छता अभियान के तहत पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

शुक्रवार को भारत पैट्रोलियम तेल डिपो करनावास की ओर से चांदपुर की ढाणी स्थित बालाजी पब्लिक स्कूल में स्वच्छता अभियान के तहत कक्षा पांचवी से 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। करीब 60 छात्र छात्राओं ने प्रतियोगिता में भाग लिया। कक्षा 11वीं व 12वीं के प्रतिभागियों में से प्रथम स्थान पर नेहा, द्वितीय स्थान पर अंजलि व तीसरे स्थान पर अंशु रही।

आठवीं से दसवीं कक्षा में प्रथम स्थान पर दिव्या, दूसरे स्थान पर भूमिका व तीसरे स्थान पर महक व कशिक रही। पांचवी से सातवीं कक्षा में से प्रथम मुस्कान, द्वितीय अनु व तीसरा स्थान अंजलि ने हासिल किया। बीपीसीएल से डिपो प्रभारी वीरेंद्र बैंस व सीनियर मैनेजर आकाश यादव ने विजेताओं को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम का आयोजन सामाजिक संस्था मॉर्निंग ग्लोरी पब्लिक समिति की ओर से किया गया। संस्था की प्रधान सलोनी सिंगला ने सभी विद्यार्थियों, स्कूल स्टाफ, बीपीसीएल डिपो से आए अधिकारियों व प्रिंसिपल आशा का आभार व्यक्त किया।

रेवाड़ी। विजेताओं को पुरस्कृत करते अधिकारी।

श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में चल रही शिव महापुराण कथा

गणेश चतुर्थी से लगातार एक साल तक गणपति की पूजा करने से पुण्य प्राप्त होता : लखन महाराज

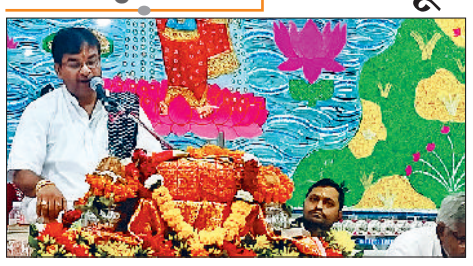

रेवाड़ी। शिव महापुराण कथा का वाचन करते लखन महाराज और शिव महापुराण कथा सुनते हुए महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

गढ़ी बोलनी रोड स्थित बीएमजी सिटी के श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में चल रही शिव महापुराण कथा के दौरान कथावाचक आचार्य लखन महाराज ने भगवान गणेश की पूजा सर्वप्रथम करने के पीछे का प्रसंग सुनाया। आचार्य लखन ने बताया कि जब भगवान शिव एवं पार्वती ने अपने दोनों पुत्रों कार्तिकेय एवं गणेश से कहा कि जो भी ब्रह्मांड की परिक्रमा करके पहले आएगा, उसका विवाह पहले किया जाएगा। माता-पिता का आदेश मानकर भगवान कार्तिकेय और गणेश ब्रह्मांड की परिक्रमा करने के लिए चल पड़े, लेकिन रास्ते में नारद मुनि के मिलने के बाद गणेश जी ने उनको प्रणाम किया और वहीं से ज्ञान लेकर पिता महादेव और पार्वती की परिक्रमा करने लगे। गणेश जी ने कहा कि मेरे लिए तो माता-पिता ही ब्रह्मांड है। आपकी परिक्रमा करके ही मैने पूरे ब्रह्मांड की परिक्रमा कर ली है। इससे प्रसन्न होकर भगवान शिव ने गजानन को सर्वप्रथम पूजनीय होने का आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि गणेश जी की पूजा गणेश चतुर्थी के दिन से लगातार एक साल तक करने वाले साधक को बहुत बड़ा पुण्य प्राप्त होता है।

कथा में ये मौजूद रहे

शुक्रवार को चित्रकूट से आए 16 पंडितों ने विशेष पूजा अर्चना कर सवा लाख पार्थिव शिवलिंग का रुद्राभिषेक कराया, जिसमें शहर तथा बीएमजी सोसायटी के कई दंपतियों ने हिस्सा लिया।
कथा के आयोजन में विजय गुप्ता, कैलाश चंद शर्मा, रमेश शर्मा, शक्ति यादव, अनिल किसनानी, दीपक शर्मा, राज गर्ग, लक्ष्मण अग्रवाल, सुनील अग्रवाल तथा एडवोकेट अश्वनी तिवारी का योगदान रहा।

भाई-बहन के पावन प्रेम का पर्व है रक्षाबंधन कार्यक्रम कल

रेवाड़ी। हमारा परिवार संस्था की ओर से रक्षाबंधन के पावन अवसर पर कार्यक्रम भाई-बहन के पावन प्रेम का पर्व है रक्षाबंधन का आयोजन 3 अगस्त को पंजाबी धर्मशाला में किया जा रहा है। संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने बताया कि विवेक ढींगरा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व शिक्षाविद प्रो सीएल सोनी विशिष्ट अतिथि रहेंगे। संस्था की ओर से पतंजलि के जिला प्रभारी दयाराम आर्य, समाजसेवी कुलदीप सोनी, शिक्षाविद सुनीता शास्त्री व ओजस्वी वक्ता श्रुति आर्य का अभिनंदन किया जाएगा तथा उल्लेखनीय सेवा करने वाले साथियों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा।

प्रतियोगिता दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रतियोगिता में 10 वर्ष से 55 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने भाग लिया

योगासन खेल प्रतियोगिता का आगाज, खिलाड़ियों ने योगकला के दिखाए जौहर

रेवाड़ी। प्रतियोगिता में योगकला का प्रदर्शन करती लड़कियां व प्रतियोगिता में योगकला का प्रदर्शन करती लड़कियां और प्रतियोगिता का शुभारंभ करते अतिथि व प्रशिक्षक। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

शुक्रवार को बाल भवन में पांचवी जिला स्तरीय योगासन खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। जिला आयुर्वेद अधिकारी डा. बसंत सोनी, जिला बाल कल्याण अधिकारी वीरेंद्र यादव, हरियाणा योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव डा. युद्धवीर, पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी दयाराम आर्य व कप्तान राजेंद्र ने दीप प्रज्वलन करके प्रतियोगिता की शुरूआत की। दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रतियोगिता में 10 वर्ष से 55 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने भाग लिया। योगासन खेल प्रतियोगिता का आयोजन युवा एव खेल मंत्रालय भारत सरकार से अनुमोदित हरियाणा योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष डा. युद्धवीर, सचिव नितिन कुमार, कॉम्पीटिशन मैनेजर डा. राकेश छिल्लर व कम्पीटिशन डारेक्टर भूपेंद्र यादव के नेतृत्व में किया गया।

विजेता खिलाड़ी राज्य स्तरीय में भाग लेंगे

डा. युद्धवीर ने कहा कि योगासन खेल प्रतियोगता योगासन भारत के महासचिव योगाचार्य डा. जयदीप आर्य के मार्गदर्शन में पूरे भारत में आयोजित की जा रही है। उन्होंने बताया की जिला स्टार्टल विजेता खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे, जिसका आयोजन अगस्त महीने में ही किया जाएगा। योगासन खेल की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता लड़कियों की रेवाड़ी तथा लड़कों की जींद जिले में आयोजित की जाएंगी। सचिव नितिन कुमार ने बताया कि करीब 340 खिलाड़ियों ने जिला स्तरीय योगासन खेल प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में कुल दस प्रकार के इवेंट्स का आयोजन किया गया। शुक्रवार के विजेता खिलाड़ियों को दड़ौली आश्रम के महंत स्वामी समर्पणानंद महाराज, वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. आरबी यादव, बाल रोग विशेषज्ञ डा. रवि यादव व डा. लोकेश तिवारी ने मेडल पहनाकर सम्मानित किया। सभी अथितियों को योगासन रेवाड़ी की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। कंपीटिशन मैनेजर डा. राकेश छिल्लर में सभी खिलाड़ियों, अविभावकों तथा निर्णायक मंडल के साथ सभी सहयोगियों का धन्यवाद किया।